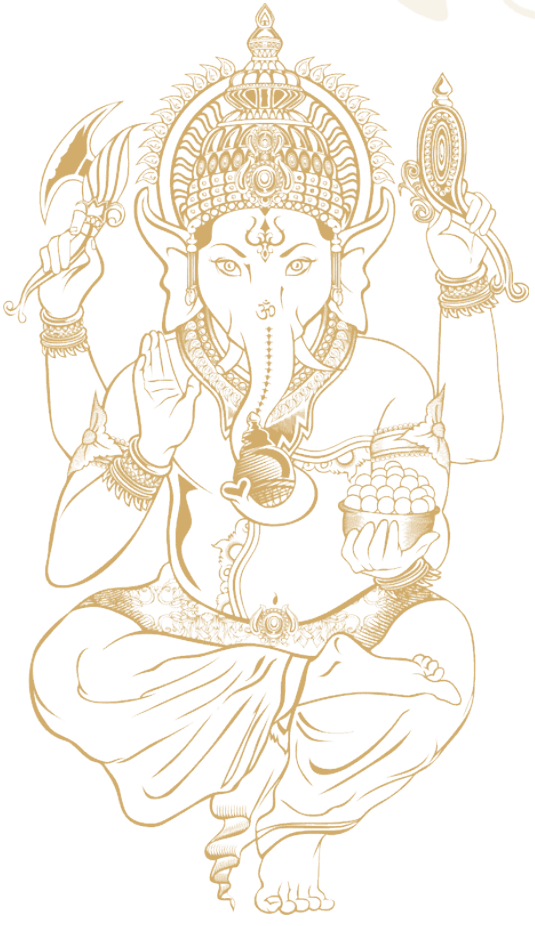

Viraj singh Rajput

15 May 2019

02:42 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121471622

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/2019**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:42:00 घंटे**
इष्ट	24:04:08 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:52:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	06:24:03 घंटे
सूर्योदय	05:04:20 घंटे
सूर्यास्त	18:27:06 घंटे
दिनमान	13:22:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:08:53 वृष
लग्न के अंश	11:17:58 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:17:58	325:27:56	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			वृष	00:08:53	00:57:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	14:25:34	14:16:47	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	05:23:38	00:38:47	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध		अ	मेष	22:49:57	02:05:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	28:26:09	00:05:51	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	05:50:56	01:12:52	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		धनु	26:12:22	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	25:03:37	00:06:17	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:03:37	00:06:17	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:40:21	00:03:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:13:47	00:01:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:55:37	00:00:35	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	11:23:42	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:22

लग्न-चलित

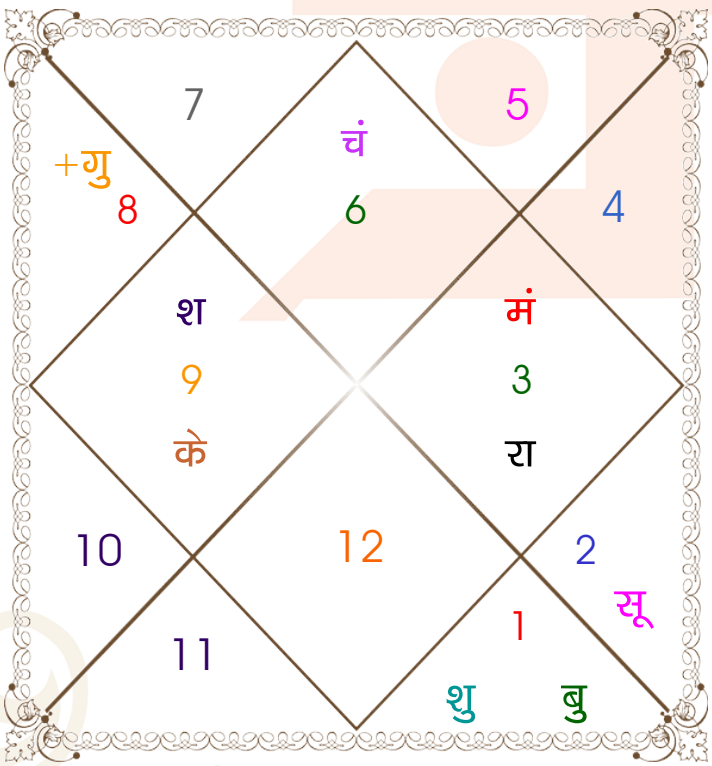

चन्द्र कुंडली

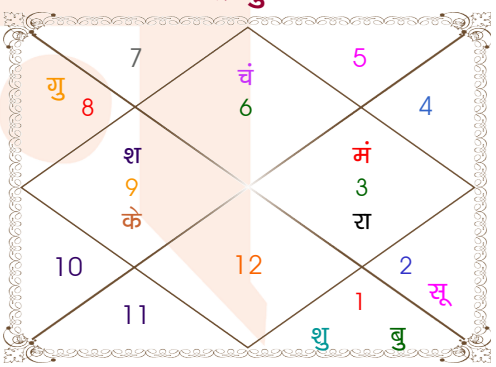

नवमांश कुंडली

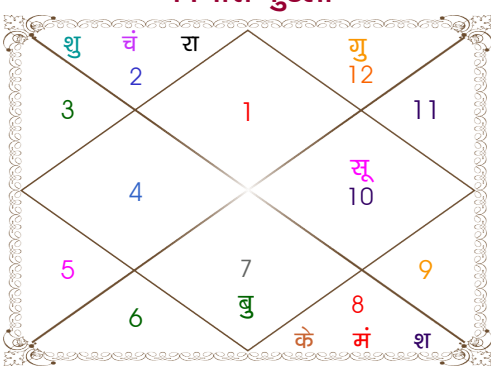

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 8 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/05/2019		18/01/2026		18/01/2033		18/01/2051		18/01/2067	
18/01/2026		18/01/2033		18/01/2051		18/01/2067		18/01/2086	
	00/00/0000	मंगल	16/06/2026	राहु	01/10/2035	गुरु	08/03/2053	शनि	21/01/2070
	00/00/0000	राहु	05/07/2027	गुरु	24/02/2038	शनि	19/09/2055	बुध	30/09/2072
	15/05/2019	गुरु	10/06/2028	शनि	31/12/2040	बुध	25/12/2057	केतु	09/11/2073
गुरु	19/04/2020	शनि	19/07/2029	बुध	20/07/2043	केतु	01/12/2058	शुक्र	09/01/2077
शनि	18/11/2021	बुध	17/07/2030	केतु	06/08/2044	शुक्र	01/08/2061	सूर्य	22/12/2077
बुध	20/04/2023	केतु	13/12/2030	शुक्र	07/08/2047	सूर्य	20/05/2062	चंद्र	23/07/2079
केतु	19/11/2023	शुक्र	12/02/2032	सूर्य	01/07/2048	चंद्र	19/09/2063	मंगल	31/08/2080
शुक्र	19/07/2025	सूर्य	19/06/2032	चंद्र	31/12/2049	मंगल	25/08/2064	राहु	08/07/2083
सूर्य	18/01/2026	चंद्र	18/01/2033	मंगल	18/01/2051	राहु	18/01/2067	गुरु	18/01/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/01/2086		19/01/2103		19/01/2110		19/01/2130		20/01/2136	
19/01/2103		19/01/2110		19/01/2130		20/01/2136		00/00/0000	
बुध	16/06/2088	केतु	17/06/2103	शुक्र	21/05/2113	सूर्य	09/05/2130	चंद्र	19/11/2136
केतु	13/06/2089	शुक्र	17/08/2104	सूर्य	21/05/2114	चंद्र	07/11/2130	मंगल	20/06/2137
शुक्र	13/04/2092	सूर्य	22/12/2104	चंद्र	20/01/2116	मंगल	15/03/2131	राहु	20/12/2138
सूर्य	17/02/2093	चंद्र	24/07/2105	मंगल	21/03/2117	राहु	07/02/2132	गुरु	16/05/2139
चंद्र	20/07/2094	मंगल	20/12/2105	राहु	20/03/2120	गुरु	25/11/2132		00/00/0000
मंगल	17/07/2095	राहु	07/01/2107	गुरु	19/11/2122	शनि	07/11/2133		00/00/0000
राहु	02/02/2098	गुरु	14/12/2107	शनि	19/01/2126	बुध	14/09/2134		00/00/0000
गुरु	11/05/2100	शनि	22/01/2109	बुध	19/11/2128	केतु	19/01/2135		00/00/0000
शनि	19/01/2103	बुध	19/01/2110	केतु	19/01/2130	शुक्र	20/01/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।